दिल कहे भोले भोले

नमः नमः नमः नमः ओम नमः शिवाय...

सिर पे गंगा विराजे और हाथ में डमरू बाजे,
खाये भाँग के गोला गल में सर्प के माला सजे ॥
तीनो लोक के मालिक तुम हो तुमसे सब कुछ डोले,
दिल कहे भोले भोले....

नीलकंठ बनकर पी डाला तुमने विष का प्याला,
पर्वत बैठा धूनी रमाये पहने मृग का छाला ॥
धरती पे फिर पाप बढ़ा है नेत्र काहे न खोले,
दिल कहे भोले भोले....

तू ही औघड़ दानी बाबा तू ही पालनहार,
मुझपे दया बरसा दे हे शिव कर मेरा उद्धार ॥
तू चाहे तो सूखा पेड़ भी पल में हरियर होले,
दिल कहे भोले भोले....

स्वर-प्रियंका सिंह

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5982/title/dil-kahe-bhole-bhole-ser-pe-ganga-viraje-or-hath-me-damru-baaje

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |